पीएम केपी शर्मा ओली को बचाने में चीनी राजदूत ने झोंकी ताकत

विरोध

ओली को बचाने के लिए चीनी राजदूत हाओ यांकी ने अभियान छेड़ा

■नेपाल के अंदर ही जोरदार विरोध शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। चीन की शह पर लगातार भारत विरोधी फैसले ले रहे नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को बचाने के लिए चीनी राजदूत हाओ यांकी ने अभियान छेड़ दिया है। इससे नेपाल के अंदर ही उनका जोरदार विरोध शुरू हो गया है। चीनी राजदूत के इस कदम को नेपाल की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप माना जा रहा है और कई पूर्व राजनयिकों और राजनेताओं ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है।

नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट के मुताबिक पिछले एक सप्ताह में हाओ ने राष्ट्रपति बिद्या भंडारी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता माधव कुमार नेपाल, झालानाथ खनल से मुलाकात की है। वह भी तब जब पीएम ओली पर इस्तीफा देने के लिए दबाव बढ़ता ही जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुष्प कमल दहल प्रचंड, झालानाथ खनल समेत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के 44 में से 30 सदस्यों ने 30 जून को ओली को पीएम पद और पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने के लिए कहा था। नेपाली राष्ट्रपति से चीनी राजदूत ने की गुप्त मुलाकात

गत 3 जून को चीनी राजदूत ने राष्ट्रपति बिद्या भंडारी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद चीनी राजदूत और ज्यादा सवालों के घेरे में आ गईं। यही नहीं नेपाली विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि चीनी राजदूत के मामले में राष्ट्रपति राजनयिक आचार संहिता का उल्लंघन कर रही हैं। नेपाली राष्ट्रपति इन दिनों खुद ही अपनी पार्टी में विवादों में चल रही हैं। विद्या भंडारी को प्रचंड बनाम ओली की इस लड़ाई में ओली का समर्थक माना जाता है। गुरुवार को पीएम ओली से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति ने संसद के बेहद सत्र को ही खत्म कर दिया। यही नहीं ओली अपने विरोधियों के खिलाफ लड़ाई की मुद्रा में आ गए।

आलम यह रहा है कि नेपाली राष्ट्रपति के कार्यालय में तैनात विदेश मंत्रालय के अवर सचिव को भी इस मुलाकात के बारे में कुछ नहीं बताया गया जबकि संवैधानिक रूप से ऐसा बताना जरूरी होता है। नियम यह भी है कि ऐसी मुलाकात के दौरान विदेश मंत्रालय के अधिकारी मौजूद रहें लेकिन उन्हें कोई सूचना ही नहीं दी गई। राष्ट्रपति और चीनी राजदूत के बीच क्या बातचीत हुई इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है।

चीन की राजदूत हाओ यांकी ने ओली के धुर विरोधी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड के समर्थन में चल रहे नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेता माधव नेपाल से रविवार शाम को उनके घर पर मुलाकात की। माधव नेपाल पार्टी के विदेश संबंध विभाग के प्रभारी हैं। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने पार्टी के अंदर चल रहे विवाद पर चर्चा की। इस दौरान चीनी राजदूत ने अनुरोध किया कि सभी संघर्षरत पक्ष शांति बरतें। हाओ यांकी के इन मुलाकातों के बारे में चीनी दूतावास ने कहा कि चीन नहीं चाहता है कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में कोई संकट आए।

न्यूज डायरी

पीओके में चीन बना रहा अवैध बांध, स्थानीय लोगों ने किया जोरदार प्रदर्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुजफ्फराबाद। पाक अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद शहर में स्थानीय लोगों ने चीन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया है। इन लोगों का कहना है कि चीन अवैध तरीके से नीलम और झेलम नदियों के ऊपर बांध बना रहा है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने विशाल विरोध रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इन बांधों से पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचा है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से सवाल किया कि आखिर किस कानून के तहत इस विवादित जमीन पर बांध बनाने के लिए चीन और पाकिस्तान में समझौता हुआ है? उन्होंने कहा कि नदियों पर कब्जा करके पाकिस्तान और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन कर रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हमें कोहाला प्रॉजेक्ट की तरफ प्रदर्शन करना चाहिए और इसे तब तक जारी रखना चाहिए जब तक इसे रोक नहीं दिया जाता।

उत्तर कोरिया ने सियोल में अमेरिकी राजदूत के आगमन से पहले वार्ता रद्द की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल (दक्षिण कोरिया)। उत्तर कोरिया ने ठप पड़ी परमाणु कूटनीति पर चर्चा के लिए अमेरिका के विदेश उप मंत्री स्टीफन बीगन की दक्षिण कोरिया की यात्रा से ठीक पहले एक बार फिर कहा है कि उसकी अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने की फिलहाल कोई मंशा नहीं है। उत्तर कोरिया के आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के माध्यम से जारी एक बयान में विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी क्वोन जोंग गुन ने अमेरिका और उनके देश के बीच वार्ता शुरू करने की दक्षिण कोरिया की "बेतुकी" मांग को खारिज किया है और वह भी तब जब उसने मध्यस्थ के तौर पर अपनी प्रासंगिकता खो दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीगन इस हफ्ते दक्षिण कोरिया और जापान में अधिकारियों के साथ अपनी बैठक में कई मुद्दों पर संबद्ध सहयोग पर चर्चा करेंगे जिसमें उत्तर कोरिया का, "अंतिम, पूर्ण प्रमाणित परमाणु निशस्त्रीकरण" भी शामिल होगा।

जापान में बाढ़ से मरने वालो की संख्या बढ़कर 50 हुई, दर्जनों लापता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। जापान की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि हाल ही में आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है और कम से कम एक दर्जन से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। जापान के दक्षिणी क्षेत्र किशू में शुक्रवार रात से ही बारिश हो रही जिसके बाद बाढ़ आ गई। अग्नि एवं आपदा प्रबंधन एंजेसी ने बताया कि मंगलवार को 49 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। ये सभी नदी के किनारे स्थित कुमामोतो क्षेत्र से थे। फुकुओका में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, कम से कम एक दर्जन लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ के पानी और खराब मौसम की वजह से बचाव अभियान में बाधा आ रही है।

इंडोनेशिया में समुद्र में आया तेज भूकंप, कोई हताहत नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में मंगलवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन इसमें किसी के घायल होने या संपत्ति नुकसान की खबर नहीं है। यह भूकंप गहरे समुद्र से आया है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 6.6 थी और इसका केंद्र मध्य जावा प्रांत के तटीय शहर बोटांग से 94 किलोमीटर उत्तर में था। भूकंप की गहराई 528 किलोमीटर थी। वहीं इंडोनेशिया मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गयी है और इसकी वजह से सुनामी आने की संभावना नहीं है। एजेंसी के एक अधिकारी दारयोनो ने कहा कि बाली तक के लोगों ने भूकंप के हल्के झटके महसूस किए क्योंकि भूकंप का केंद्र काफी गहराई में था।अधिकारी ने सिर्फ अपना पहला नाम ही बताया। इंडोनेशिया में लगातार भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। 2004 में हिंद महासागर में आये तेज भकंप एवं सुनामी से कई देशों के 230,000 लोगों की मौत हो गई जिनमें से ज्यादातर इंडोनेशिया के थे।

टिकटॉक समेत चीनी ऐप पर बैन लगा सकता है अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। जिसका अनुमान था, वही हो रहा है। ऐप बैन कर चीन को भारत का दिया झटका अब उसे और तेज लगने जा रहा है। अमेरिका भी टिक टॉक समेत चीनी मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने सोमवार देर रात इस संबंध में ऐलान किया। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। उधर, ऑस्ट्रेलिया में भी चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाने की मांग तेज होती जा रही है। भारत में टिक टॉक बैन होने से चीनी कंपनी को करीब 6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

इससे पहले पिछले दिनों भारत सरकार ने टिकटॉक समेत 59 चाइनीज ऐप को बैन कर दिया था। इसके बाद चाइनीज कंपनियों की तरफ से सरकार से अपील की जा रही है कि वे भारतीय यूजर्स का डेटा चाइनीज सरकार के साथ शेयर नहीं कर रही थीं। टिकटॉक के सीईओ केविन मेयर ने भारत सरकार को चिट्ठी लिखकर कहा कि चाइनीज सरकार ने कभी भी यूजर्स के डेटा की मांग नहीं की है।

आश्चर्य वाली बात यह है कि टिकटॉक को भले ही भारत में हाल फिलहाल में बैन किया गया गया है, लेकिन चीन में यह बहुत पहले से बैन है।

20 परिवारों ने छेड़ा, गे-सिंगल पिता ने संवारी जिंदगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। डाउन सिंड्रोम की शिकार 13 दिन की एक बच्ची को उसके माता–पिता ने उसके हाल पर ही छोड़ दिया। इस मासूम को एक के बाद एक 20 परिवारों ने अपनाने से इनकार कर दिया, लेकिन अब जो इस बच्ची को मिला है वह शायद सबसे खूबसूरत कहानी है। आज उसे अपनी गोद में लेने वाले पिता न सिर्फ गर्व महसूस कर रहे हैं बल्कि वह खुद भी रुढ़ियों को धता बता रहे हैं। इटली के 41 वर्षीय लूका ट्रिपानीज एक गे, कैथलिक और सिंगल फादर हैं जो अल्बा की ऐसी परवरिश कर रहे हैं जिसने उन्हें स्टार डैड बना दिया है। लूका ने अल्बा से मिलने के अपने पहले अनुभव को शेयर करते हुए बताया था, जब मैंने उसे पहली बार अपनी गोद में लिया तो मैं खुशी से झूम उठा। मुझे फौरन लगा कि वह मेरी बेटी है।

कृष्ण मंदिर की जमीन पर जबरन अजान दी, नींव की दीवार तोड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मुस्लिम कट्टरपंथियों का एक घिनौना चेहरा सामने आया है। राजधानी इस्लामाबाद में बनने वाले पहले कृष्ण मंदिर के निर्माण पर रोक लगवाने के बाद अब कट्टरपंथियों ने मंदिर की जमीन पर जबरन अजान दी है। यही नहीं मंदिर की नींव को भी कुछ मजहबी गुटों ने पिछले दिनों ढहा दिया था। एक तरफ पाकिस्तानी कट्टरपंथियों ने इस मंदिर के निर्माण को रोकने के लिए अभियान चला रखा है, वहीं रियासत–ए–मदीना बनाने का वादा करने वाली इमरान खान सरकार ने पूरे मामले पर चुप्पी साध रखी है।

मंदिर निर्माण के खिलाफ फतवा जारी

कट्टरपंथियों की कायराना हरकत की अल्पसंख्यकों ने कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ असहिष्णुता बढ़ती जा रही है। बता दें कि इमरान सरकार ने दो दिन पहले ही मुस्लिम कट्टरपंथियों के फतवे के आगे घुटने टेकते हुए मंदिर के निर्माण पर रोक लगा दी थी। इस मंदिर का निर्माण पाकिस्तान के कैपिटल डिवेलपमेंट अथॉरिटी कर रही थी। पाकिस्तान सरकार ने अब मंदिर के संबंध में इस्लामिक आइडियॉलजी काउंसिल से सलाह लेने का फैसला किया है।

धार्मिक पहलू देखने के बाद होगा फैसलाः धार्मिक मामलों के मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि धार्मिक पहलू को देखने के बाद मंदिर को बनाने पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इमरान खान अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों के लिए फंड जारी करने पर फैसला लेंगे। मंदिर के निर्माण पर रोक लगाने के बाद उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जाएगी।

बता दें कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहला मंदिर बनाए जाने से पहले ही बवाल शुरू हो गया है।

फ्रांस में पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन के बाद मैक्रों ने सुरक्षा प्रमुख को हटाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने पुलिस बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन के बाद अपने शीर्ष सुरक्षा अधिकारी को सोमवार को पद से हटा दिया। मैक्रों ने यह कदम सरकार में फेरबदल के तहत उठाया है जिसका लक्ष्य उनके शेष दो साल के कार्यकाल में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बाद फ्रांस में आर्थिक सुधार लाना है। सबसे बड़ा बदलाव गृह मंत्रालय में किया गया है जिसके पास पुलिस का प्रभार है। पूर्व बजट मंत्री गेराल्ड डारमनिन को गृह मंत्री क्रिस्टोफ कास्टनर की जगह लेने के लिए नामित किया गया है जो नस्ली अन्याय के खिलाफ फ्रांस में बड़े पैमाने पर चल रहे प्रदर्शनों के बीच निशाने पर आ गए हैं। फ्रांस के नये गृह मंत्री के तौर पर नामित डारमनिन बलात्कार के आरोप में प्रारंभिक जांच का सामना कर रहे हैं। हालांकि, वह इस आरोप का पुरजोर खंडन करते हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि यह जांच डारमनिन की नियुक्ति में कोई बाधा नहीं है लेकिन वह जारी जांच पर और कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। वहीं ग्रीन पार्टी के पूर्व सांसद को शक्तिशाली पारिस्थितिक परिवर्तन मंत्रालय का प्रमुख नियुक्त किया है।